सोमनाथ मंदिर के पुनर्निर्माण में सरदार पटेल की भूमिका

Dr. Archana R. Bansod,
Assistant Professor
Department of History
Charutar Vidya Mandal University, Vallbh Vidya Nagar, Anand, Gujarat, India

सारांश

भगवन शिव को समर्पित सोमनाथ मंदिर गुजरात के (सौराष्ट्र प्रदेश) प्रभास पाटन में अरब सागर के किनारे स्थित है। यह अध्यात्म और प्रकृति का मिलान स्थल है। इस जगह पर तीन पौराणिक नदियों सरस्वती, हिरण्य और कपिला का संगम है। इस विश्वप्रसिद्ध मंदिर में देश के १२ ज्योतिर्लिंगों में से पहला ज्योतिर्लिंग मन जाता है। सोमनाथ मंदिर का हिंदू धर्म के उत्थान-पतन के इतिहास का प्रतीक रहा है। इतिहास में यह एकमात्र मंदिर है, जिसपर सबसे ज्यादा हमले हुए। जितनी बार आक्रमणकारियोंने इस मंदिर को नष्ट किया , उतनी बार इसका पुनर्निर्माण किया गया। अंतिम बार इसका पुनर्निर्माण लोहपुरुष सरदार पटेल ने करवाया और १९९५ को भारत के राष्ट्रपती शंकर दयाल शर्मा ने इसे राष्ट्र को समर्पित किया। सोमनाथ मंदिर के पुनर्निर्माण में सरदार पटेल की भूमिका महत्वपूर्ण रही है। सरदार के इसी योगदान की चर्चा इस शोधपत्र में की है। यह शोधपत्र पूर्णत: द्वितीयक अध्ययन स्रोतों पर आधारित है। मंदिर के पुनर्निर्माण में सरदार पटेल की भूमिका का अध्ययन करना इस शोधपत्र का उद्देश्य है।

प्रस्तावना

वर्तमान मंदिर का पुनर्निर्माण स्वतंत्रता के बाद लौहपुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल ने 1951 में करवाया और पहली दिसंबर 1995 को भारत के राष्ट्रपति शंकर दयाल शर्मा ने इसे राष्ट्र को समर्पित किया था. सरदार पटेल ने जुलाई 1947 में ही सोमनाथ मंदिर के पुनर्निर्माण का आदेश दिया था (चंद्रशेखर)। सरदार का हृदय धार्मिक भावनाओं से ओतप्रोत था। एक हिन्दू के नाते वह सोमनाथ के महत्त्व को अनुभव करते थे. सोमनाथ का प्रथम मंदिर प्रथम शताब्दी में बनाया गया। धन सम्पत्ति का वहां इतना अधिक भंडार था कि मुस्लिम आक्रमणकारियोंने ने सदा ही उसे अपना लक्ष्य बनाया तथा उस पर कई बार आक्रमण किया। यहां तक कि सन १०२४ में मन्दिर भारत की धार्मिक भावना का प्रतिक था (शास्त्री)। गुजरात के पश्चिमी तट पर सौराष्ट्र में जूनागढ़ के निकट प्रभास पाटन में स्थित सोमनाथ मंदिर, शिव के बारह ज्योतिर्लिंग मंदिरों में से पहला माना जाता है। यह गुजरात का एक महत्वपूर्ण तीर्थ और पर्यटन स्थल है। कई मुस्लिम आक्रमणकारियों और शासकों द्वारा बार-बार विनाश के बाद अतीत में कई बार पुनर्निर्माण किया

गया, वर्तमान मंदिर का पुनर्निर्माण हिंदू मंदिर वास्तुकला के चालुक्य शैली में किया गया और मई १ ९ ५१ में पूरा हुआ। भारत के गृह मंत्री वल्लभभाई पटेल के आदेश के तहत पुनर्निर्माण शुरू किया गया था और उनकी मृत्यु के बाद पूरा हुआ सोमनाथ मंदिर को "तीर्थ शाश्वत " के रूप में जाना जाता है, इस शीर्षक से के. एम मुंशी की एक पुस्तक और इतिहास में कई बार मंदिर के विनाश और पुनर्निर्माण का वर्णन है। त्रिवेणी संगम कपिला :तीन नदियों का संगम), हिरन और पौराणिक सरस्वती होने के कारण सोमनाथ का स्थान प्राचीन काल से एक तीर्थ स्थल रहा है (2020) । सोमनाथ मंदिर का पुनर्निर्माण, स्वतंत्र भारत की सबसे प्रतिष्ठित और सम्मानित परियोजना के रूप में जाना जाता है .जिसे सोमनाथ महा मेरू प्रसाद के नाम से जाना जाता है, के काम को पारंपरिक भारतीय नागर शैली के मंदिरों के डिजाइन बनाने में महारत हासिल सोमपुरा परिवार ने ही अंजाम दिया। सोमनाथ मंदिर के आर्किटेक्ट पद्म श्री प्रभाशंकर सोमपुरा थे परिवार सोमपुरा में भारत उत्तर . मंदिर राम अयोध्या .है हुआ जुडा से पीढ़ियों चार पिछले से डिजाइन और निर्माण के मंदिरों के शैली नागर पोते के इन्हीं निर्माण भी का मॉडल चंद्रकांत भाई सोमपुरा ने ही किया ह।. (htt6)।

मुख्य शब्द : सोमनाथ मंदिर, सरदार पटेल, पुनर्निर्माण

सोमनाथ मन्दिर का इतिहास।

सर्वप्रथम इस मंदिर के उल्लेखानुसार ईसा के पूर्व यह अस्तित्व में था। इसी जगह पर द्वितीय बार मंदिर का पुनर्निर्माण 649 ईस्वी में वैल्लभी के मैत्रिक राजाओं ने किया। पहली बार इस मंदिर को 725 ईस्वी में सिन्ध के मुस्लिम सूबेदार अल जुनैद ने तुड़वा दिया था। फिर प्रतिहार राजा नागभट्ट ने 815 ईस्वी में इसका पुनर्निर्माण करवाया (htt7)। 1024 ई .वी .में सोमनाथ मंदिर को तुर्क शासक महमूद गजनवी ने तोड़ दिया। महमूद ने मंदिर से करीब 20 मिलियन दीनार लूट कर ज्योतिर्लिंग को तोड़ दिया था। इसके साथ ही करीब 50000 हजार लोगों की मंदिर की रक्षा करने के दौरान हत्या कर दी गई।. महमूद के हमले के बाद राजा कुमारपाल ने 1169 ई .वी .में उत्कृष्ट पत्थरों द्वारा इस मंदिर का पुनर्निर्माण किया गया था। जिसे अलाउद्दीन खिलजी ने गुजरात विजय के दौरान 1299 ई .वी .में नष्ट कर दिया थ। इस मंदिर का पुनर्निर्माण सौराष्ट्र के राजा महीपाल द्वारा 1308 ई .वी .में किया गया था। 1395 में इस मंदिर को एक बार फिर गुजरात के गवर्नर जफर खान द्वार नष्ट कर दिया गया .साथ ही गुजरात के शासक महमूद बेगड़ा द्वारा इसे अपवित्र भी किया गया .सोमनाथ मंदिर को अंतिम बार 1665 ई.वी में मुगल सम्राट औरंगजेब द्वारा इस तरह नष्ट कर दिया गया कि इसे फिर से पुनर्निर्माण नहीं किया जा सके, बाद में सोमनाथ मंदिर के स्थान पर 1706 में एक मस्जिद बना दी गई थी. (htt8)। 1950 में मंदिर पुनर्निर्माण के दौरान इस मस्जिद को यहां से हटा दिया गया था (htt11). जब भारत

का एक बड़ा हिस्सा मराठों के अधिकार में आ गया तब 1783 में इंदौर की रानी अहिल्याबाई द्वारा मूल मंदिर से कुछ ही दूरी पर पूजा-अर्चना के लिए सोमनाथ महादेव का एक और मंदिर बनवाया गया।. (htt9)।

इतिहास में यह एकमात्र मंदिर ऐसा है जिस पर सबसे ज्यादा बार हमले हुए .सोमनाथ मंदिर किसी चमत्कारी मंदिर से कम नहीं है। जितनी बार बाहरी आक्रमणकारियों ने इस मंदिर को नष्ट कि .।उतनी बार इसका पुनर्निर्माण किया गया। ऐसा माना जाता है कि इस मंदिर पर और 17 बार आक्रमण हुए थे और 7 बार इस मंदिर का पुनर्निर्माण किया गया था ।अंतिम बार इसका पुनर्निर्माण आजादी के बाद 1947 में किया गया था (htt10)। इस समय जो मंदिर खड़ा है उसे भारत के गृह मंत्री सरदार वल्लभ भाई पटेल ने बनवाया और पहली दिसंबर 1995 को भारत के राष्ट्रपति शंकर दयाल शर्मा ने इसे राष्ट्र को समर्पित किया। (ममता गुप्ता और महबूब ख़ान, सोमनाथ मंदिर किसने और कब बनवाया ,)

सोमनाथ मन्दिर का धर्मिक महत्त्व

यह मंदिर भारतीय इतिहास तथा हिन्दुओं के चुर्निंदा और महत्त्वपूर्ण मंदिरो में से है। इसे भारत के १२ ज्योतिर्लिंगों में सर्वप्रथम ज्योतिर्लिंग के रूप में मन जाता है। भारत के सबसे प्राचीन वेद ऋग्वेद में बताया गया है, कि इस मंदिर का निर्माण सोमदेव या चंद्रदेव नमक राजने ईसा पूर्व किया था। इस सोमनाथ ज्योतिर्लिंग की महिमा महाभारत , श्रीमद्भागवत तथा स्कन्द पुराणादि में विस्तार से बताई गई है (htt19)। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार भगवन श्रीकृष्ण ने अंतिम समय में इसी स्थान पर अपने शरीर को त्यागा था (htt20)।

मंदिर के पुनर्निर्माण में सरदार पटेल की भूमिका

जूनागढ़ की मुक्ति के बाद जूनागढ़ पहुंचकर सरदार पटेल ने भारत सरकार के तत्कालीन निर्माण मंत्री श्री गाडगिल तथा जामनगर के जामसाहब के साथ सौराष्ट्र प्रदेश में सोमनाथ का दौरा किया (साधना, सरदार और सोमनाथ)। १३ नवम्बर , १९४७ को सरदार पटेल जूनागढ़ गये। सरदार पटेल ने देखा खंडहर हालत में सोमनाथ मंदिर पर राष्ट्रध्वज फहराया गया। बहाउद्दीन कॉलेज के कम्पाउन्डमे नागरिकोंकी एक विशाल सभा में प्रेम और आदर से सरदार का अपूर्व स्वागत किया। दूसरे दिन सरदार वहांसे प्रभास पाटन गए। वहां सोमनाथ महादेवके विख्यात मंदिर की दुर्दशा देख कर पटेल का हृदय द्रवित हो उठा। उन्होंने सोमनाथ महादेव के खंडहर बने हुए पवित्र मन्दिर के स्थान पर नया विशाल भव्य मंदिर निर्माण करवाकर उसमे महादेव की प्राण-प्रतिष्ठा का संकल्प किया (पटेल)।

सोमनाथ मंदिर के पुनर्निर्माण का प्रस्ताव लेकर सरदार पटेल महात्मा गांधी के पास गए थे । गांधी जी ने प्रस्ताव पर न केवल अपना आशीर्वाद दिया, बल्कि जनता से धन एकत्रित कर मंदिर निर्माण का सुझाव दिया

था । बाद में सरदार पटेल की मृत्यु के बाद मंदिर पुनर्निर्माण का कार्य के एम मुंशी के निर्देशन में पूरा किया गया। मुंशी उस समय भारत सरकार के खाद्य और नागरिक आपूर्ति मंत्री थे (htt13)।

जामनगर के जामसाहेब ने १ लाख और अंतरिम सरकार के नेता श्री शामलदास गाँधी ने ५० हजार रुपये इस कार्य के लिए दिए (पटेल)। कई अमीर लोगों ने रुपये इस कार्य के लिए रुपये दिए। सोननाथ के जीर्णोद्धार के आह्वान पर पूरा काठेवाड़ एक हो गया। बहुत ही जल्दी २५ लाख रूपये दान में मिले।

ऐतिहासिक सोमनाथ मंदिर के पुनर्निर्माण के लिए एक ट्रस्ट स्थापित करने का निर्णय लिया गया (चंद्रशेखर)। लिए गए निर्णय के नुसार 23 जनवरी 1949 को जामनगर में सरदार पटेल की अध्यक्षता में बैठक हुई। बैठक में श्री गाडगिल, जामसाहेब, श्री दिग्विजयसिंहजी सौराष्ट्र के मुख्यमंत्री ढेबरभाई और शामल दास गांधी ने भाग लिया, जिसमें सोमनाथ ट्रस्ट का ढांचा तैयार किया गया। इस कार्य का भार मुंशी को सौंपा गया था (चंद्रशेखर)। 18 अक्टूबर 1949 को, सरदार वल्लभभाई ने सोमनाथ ट्रस्ट के प्रथम ट्रस्टियों के नियुक्ति की घोषणा की (राष्ट्रीय अस्मितारूप सोमनाथ के नवनिर्माण में सरदार पटेल की भूमिका)। इस प्रकार सोमनाथ मंदिर के आसपास का विशाल क्षेत्र सोमनाथ ट्रस्ट को दे दिया गया। 1949 के अंत में 3.25 लाख की निधि जमा हो चुकी थी (जे।, अतीत)। करीब तीन साल बाद 19 अप्रेल, 1950 को तत्कालीन सौराष्ट्र के मुख्यमंत्री ढेबरभाई ने मंदिर के गर्भगृह निर्माण के लिए भूमि खनन विधि की। 8 मई को दिग्विजय सिंह ने मंदिर का शिलान्यास किया (htt14)। हालांकि पहले देश के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू इसके पक्ष में नहीं थे । जवाहरलाल नेहरू ने सोमनाथ मन्दिर के पुनर्निर्माण के प्रस्ताव का 'हिन्दू पुनरुत्थानवाद' कहकर विरोध भी किया। उस समय नेहरू से हुई बहस को कन्हैयालाल मुंशी ने अपनी पुस्तक 'पिलग्रिमेज टू फ़्रीडम' में दर्ज किया है । (विकिपीडिया) । इसके बावजूद सरदार पटेल ने हिंदुओं की आस्था के इस केंद्र को फिर से खड़ा करने का फैसला किया था (htt17)। बादमें भारत सरकारने ने कन्हैया लाल माणिकलाल मुंशी की अध्यक्षता में एक सलाहकार समिति नियक्त की। सौराष्ट्र सरकारने अपने राजप्रमुख की अध्यक्षता में एक ट्रस्टी बोर्ड स्थापित किया, जिसके अन्य सदस्यों में श्री मुंशी तथा श्री गाडगिल भी थे। सोमनाथ के प्राचीन मन्दिरो का स्थान खोजने के लिए खुदाई की गई। भारत सरकार के पुरात्तत्व विभाग के प्रतिनिधियों ने इस कार्य में सहायता दी। इस अन्वेषण से सोमनाथ के एक के ऊपर एक पांच प्राचीन मंदिर भूगर्भ में मिले। अन्त में यह निर्धार किया गया कि प्राचीन मंदिर के खंडहरों को हटा कर एक नए मंदिर का निर्माण किया जाए। मूल पांचवे मंदिर के आधार पर नए मन्दिर का एक ढांचा तैयार किया गया तथा उसे कार्य रूप में परिणत करने की व्यवस्था की गई (शास्त्री)। इस मंदिर की मूर्तिप्रतिष्ठा का समारोह एक साल बाद 11 मई, 1951 को किया गया और उसमे राष्ट्रपति डाक्टर राजेंद्र प्रसाद ने ने समुद्र में स्नान कर सुबह साढ़े नौ बजे होरा नक्षत्र में मंदिर के गर्भगृह में शिवलिंग

की प्राण प्रतिष्ठा की गई। सरदार का सपना पूरा हुआ (htt15)। इस मूर्तिप्रतिष्टा में शास्त्रीय विधि के अनुसार सभी महाद्वीपों की मिटटी तथा सभी महासागरों और पवित्र नदियों के जल का उपयोग किया गया। इस प्रकार सरदार पटेल के संकल्प द्वारा भारत की एक महती राष्ट्रिय आकांक्षा की पूर्ति की गई (चंद्रशेखर)।

13 मई, 1965 को दिग्विजय सिंह ने गर्भगृह और सभामंडप पर कलश प्रतिष्ठा कराई तथा शिखर पर ध्वजारोहण किया। इस बीच दिग्विजय सिंह का निधन हो गया। 28 नवंबर, 1966 को मुंशी ने स्वर्गीय दिग्विजय सिंह की पत्नी गुलाब कुंवरबा की ओर से निर्माण कराए जाने वाले दिग्विजय द्वार का शिलान्यास किया। 4 अप्रेल, 1970 को मूकसेवक रविशंकर महाराज ने सोमनाथ मंदिर परिसर में सरदार पटेल की आदमकद प्रतिमा का अनावरण किया। 19 मई, 1970 को सत्य साईबाबा ने दिग्विजय द्वार का उद्घाटन किया। 1 दिसंबर 1995 को तत्कालीन राष्ट्रपति शंकरदयाल शर्मा ने नृत्यमंडप पर कलश प्रतिष्ठा कर नवनिर्मित मंदिर राष्ट्र को समर्पित किया। मंदिर निर्माण के सरदार पटेल के दृढ़ संकल्प को साकार करने में काकासाहब गाडगिल, दत्तात्रेय वामन, खंडूभाई देसाई, बृजमोहन बिड़ला, दयाशंकर दवे, जयसुखलाल हाथी, चित्तरंजन राजा, मोरारजीभाई देसाई सहित अनेक लोगों का सहयोग रहा। सोमनाथ मंदिर आज लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल के दृढ़ संकल्प का प्रतीक बना हुआ है। संभवत: इसीलिए गुजरात के प्रसिद्ध कवि नर्मद ने भी अपनी कविता में सोमनाथ को पश्चिमी गुजरात का प्रहरी बताया है (htt16)। नवंबर 1947 में नव वर्ष में सोमनाथ मंदिर का नया संकल्प सरदार पटेल ने जनवरी 1995 में सोमनाथ मंदिर के जीर्णोद्धार के साथ पूरा किया। (राष्ट्रीय अस्मितारूप सोमनाथ के नवनिर्माण में सरदार पटेल की भूमिका)।

मन्दिर कि वर्तमान स्तिथी

वर्तमान में प्रधान मंत्री मोदीजी मंदिर के ट्रस्ट के मुख्य चेयरमेन नियुक्त हुए है। इससे पहले मोरारजी देसाई पहले प्रधानमंत्री थे जिन्हे सोमनाथ मंदिर ट्रस्ट के चेयरमैन के तौर पर चुना गया था। यह ट्रस्ट मंदिर की प्रबंध व्यवस्था देखता है (htt18)। वर्तमान सोमनाथ मंदिर का निर्माण गुजरात की चालुक्य वास्तुकला शैली में 1951 में किया गया है. सोमनाथजी के मंदिर की व्यवस्था और संचालन का कार्य सोमनाथ ट्रस्ट के अधीन है। सरकार ने ट्रस्ट को जमीन, बाग-बगीचे देकर आय का प्रबन्ध किया है। यह तीर्थ पितृगणों के श्राद्ध, नारायण बलि आदि कर्मो के लिए भी प्रसिद्ध है। चैत्र, भाद्रपद, कार्तिक माह में यहां श्राद्ध करने का विशेष महत्व बताया गया है। इन तीन महीनों में यहां श्रद्धालुओं की बडी भीड़ लगती है। इसके अलावा यहां तीन नदियों हिरण, कपिला और सरस्वती का महासंगम होता है। इस त्रिवेणी स्नान का विशेष महत्व है।

नवीन सोमनाथ मन्दिर 1962 में पूर्ण निर्मित हो गया। 1970 में जामनगर की राजमाता ने अपने पति की स्मृति में उनके नाम से 'दिग्विजय द्वार' बनवाया। इस द्वार के पास राजमार्ग है और पूर्व गृहमन्त्री सरदार वल्लभ भाई पटेल की प्रतिमा है।

समापन

सोमनाथ मंदिर का पुनर्निर्माण स्वतंत्र भारत की सबसे प्रतिष्ठित और सम्मानित परियोजना है। इसका पुनर्निर्माण सरदार पटेल के कारन ही पुनर्निर्माण संभव हुआ। १९९५ में सोमनाथ मंदिर को तत्कालीन राष्ट्रपती शंकर दयाल शर्मा ने इसे राष्ट्र को समर्पित किया। यह मंदिर हिन्दू धर्म के उठान-पतन के इतिहास का प्रतिक है। १९४७ में सरदार पटेल प्रभास पाटन गए। वहां सोमनाथ मंदिर की दूर्दशा देखकर उनके हृदयमें प्राचीन भावना जाग्रत हुए। उन्होंने उसी समय महादेव के खंडहर बने हुए पवित्र मंदिर के स्थानपर नया विशाल मंदिर निर्माण करवाके उसमे महादेव की प्राण-प्रतिष्ठा का संकल्प किया। इस पवित्र संकल्प को साकार करने में के. एम. मुन्शी , काकासाहेब गाडगिल, मोरारजी देसाई जैसे अनेक लोगोका सहयोग रहा। जामनगर के जामसाहब, जूनागढ़ के प्रशासक शामलदस गाँधी और अन्य धनपतियों ने धन देकर मंदिर का काम पूर्ण करने में सहायता की । इस कार्य को पूरा करने में सरदार पटेल ने सरकार कि मदत ली। तदनुसार के. एम्. मुंशी की अध्यक्षता में एक ट्रस्टी बोर्ड की स्थापना की। पुरातत्त्वविभाग के प्रतिनिधियोंद्वारा मंदिर का स्थान खोजने के लिए खुदाई की गई। प्राचीन मंदिर के खंडहरों को हटाकर नए मंदिर का निर्माण किया गया। सोमनाथ के जीर्णोद्धार के दूरदर्शी सरदार पटेल ने के पुनर्निर्माण का आदेश दिया था। इस महान कार्य को पूरा करने के लिए सोमनाथ ट्रस्ट का गठन किया गया। जीर्णोद्धार का कार्य श्री के मुंशी के मार्गदर्शन में शुरू हुआ। इस महान कार्य को तत्कालीन सरकार से अनुमति ली गई। देश के तत्कालीन प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू इसके पक्ष में नहीं थे। इसके बावजूद सरदार पटेल ने हिंदुओं की आस्था के इस केंद्र को फिर से खड़ा करने का संकल्प पूरा किया।

Figure *1 : Old Somnath (Source:*Templehttps://en.wikipedia.org/wiki/Somnath_temple#/media/File:Somnath_temple_ruins_(1869).jpg

Figure **2:** Somnath Series: Historic visit by Sardar Patel, Gadgil, Jam Saheb that paved the way for reconstruction of ruined Somnathtemple**. (source:**https://www.deshgujarat.com/2017/08/27/somnath-series-historic-visit-by-sardar-patel-gadgil-jam-saheb-that-paved-the-way-for-reconstruction-of-ruined-somnath-temple/

Figure *3: New Somnath Temple*
(Source;https://en.wikipedia.org/wiki/Somnath_temple#/media/File:Somanath_mandir.jpg

LIST OF FIGURES

Figure *1 : Old Somnath*
*(Source:*Templehttps://en.wikipedia.org/wiki/Somnath_temple#/media/File:Somnath_temple_ruins_(1869).jpg 7

Figure **2:** Somnath Series: Historic visit by Sardar Patel, Gadgil, Jam Saheb that paved the way for reconstruction of ruined Somnathtemple**. (source:**https://www.deshgujarat.com/2017/08/27/somnath-series-historic-visit-by-sardar-patel-gadgil-jam-saheb-that-paved-the-way-for-reconstruction-of-ruined-somnath-temple/ 7

Figure *3: New Somnath Temple*
(Source;https://en.wikipedia.org/wiki/Somnath_temple#/media/File:Somanath_mandir.jpg 8

Bibliography

n.d. <https://hindi.news18.com/news/knowledge/know-about-the-somnath-temple-how-had-rebuilt-by-first-home-minister-sardar-vallabhbhai-patel-nodrt-2595910.html>.

n.d. <https://hindi.webdunia.com/sanatan-dharma-history/history-of-somnath-temple-in-hindi-119061300032_1.html>.

n.d. <https://www.tv9hindi.com/india/somnath-temple-gujarat-why-was-somnath-temple-destroyed-17-times-now-pm-modi-becomes-president-of-somnath-mandir-trust-480020.html>.

n.d. <https://hindi.webdunia.com/sanatan-dharma-history/history-of-somnath-temple-in-hindi-119061300032_1.html>.

n.d. <https://pasandhai.in/somnath-temple-history-in-hindi/>.

n.d. <https://www.tv9hindi.com/india/somnath-temple-gujarat-why-was-somnath-temple-destroyed-17-times-now-pm-modi-becomes-president-of-somnath-mandir-trust-480020.html>.

n.d. <https://www.gkexams.com/ask/60280-Somnath-Mandir-Ka-Nirmann-Kisne-Karwaya-Tha>.

n.d. <https://hindi.news18.com/news/knowledge/know-about-the-somnath-temple-how-had-rebuilt-by-first-home-minister-sardar-vallabhbhai-patel-nodrt-2595910.html>.

n.d. <https://hindi.oneindia.com/news/2012/11/14/feature-somnath-temple-symbol-sardar-solid-pledge-223840.html?story=2>.

n.d. <https://hindi.oneindia.com/news/2012/11/14/feature-somnath-temple-symbol-sardar-solid-pledge-223840.html?story=2>.

n.d. <https://hindi.oneindia.com/news/2012/11/14/feature-somnath-temple-symbol-sardar-solid-pledge->.

n.d. < https://zeenews.india.com/hindi/india/madhya-pradesh-chhattisgarh/mp/sardar-patel-steps-pm-narendra-modi-ujjain-mahakal-lok-inauguration-narottam-mishra-ngmp/1389792>.

n.d. <https://www.tv9hindi.com/india/somnath-temple-gujarat-why-was-somnath-temple-destroyed-17-times-now-pm-modi-becomes-president-of-somnath-mandir-trust-480020.html>.

n.d. <https://hindi.webdunia.com/sanatan-dharma-history/history-of-somnath-temple-in-hindi-119061300032_1.html>.

n.d. < https://pasandhai.in/somnath-temple-history-in-hindi/>.

चंद्रशेखर, शास्त्री. राष्ट्रनिमिता सरदार. दिल्ली, n.d.

जे।, डॉ रावल पी. n.d.

—. अतीत. राजकोट : प्रमोदिनी रावल, २००५.

पटेल, रावजीभाई म. हिन्द के सरदार. अहमदाबाद: नवजीवन प्रकाशन मंदिर, १९७२.

बी, राठोड गिरीशकुमार. "राष्ट्रीय अस्मितारूप सोमनाथ के नवनिर्माण में सरदार पटेल की भूमिका." एम फिल का शोध प्रबंध . anand, 2010.

ममता गुप्ता और महबूब ख़ान, सोमनाथ मंदिर किसने और कब बनवाया ,. n.d. <https://www.bbc.com/hindi/news/story/2007/01/070101_askus_somnath>.

विकिपीडिया, सोमनाथ मन्दिर -. सोमनाथ मन्दिर. 11 July 2003 . 23 March 2023.

शास्त्री, आचार्य चंद्रशेखर. राष्ट्रनिर्माता सरदार पटेल. मुंबई: सोसायटी फार पार्लेमेंटरी स्टडीज़, n.d.

साधना, टीम. "सरदार और सोमनाथ." August 2012: 32.

—. "સોમનાથ, સરદાર અને." भारत रत्न सरदार पटेल स्वातंत्र्य दिन विशेषांक. वडोदरा : साधना साप्ताहिक , ११ अगस्त २०१२.

सोमनाथ मंदिर पर सर्वप्रथम किस मुस्लिम आक्रमणकारी ने आक्रमण किया और कब? 31 March 2020. <https://hi.letsdiskuss.com/which-muslim-invader-first-attacked-somnath-temple-and-when>.

सोमनाथ मंदिर पर सर्वप्रथम किस मुस्लिम आक्रमणकारी ने आक्रमण किया और कब?,. n.d. <https://hi.letsdiskuss.com/which-muslim-invader-first-attacked-somnath-temple-and-when>.

સોમનાથ, સરદાર અને. n.d.